

रीवा जिले में महिला उद्यमिता के विकास में कौशल प्रशिक्षण की भूमिका—एक अध्ययन

दीपा सिंह¹ and डॉ. विवेक कुमार पटेल²

¹शोधार्थी वाणिज्य, शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)

²प्राचार्य एवं सह-प्राध्यापक (वाणिज्य), शासकीय महाविद्यालय, पवई, जिला पन्ना (म.प्र.)

सारांश — महिला उद्यमिता आर्थिक विकास, रोजगार सृजन तथा महिला सशक्तिकरण का महत्वपूर्ण माध्यम है। वर्तमान समय में महिलाओं को उद्यमिता की ओर प्रेरित करने के साथ-साथ उन्हें आवश्यक तकनीकी एवं व्यावसायिक कौशल प्रदान करना भी आवश्यक है। प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य रीवा जिले में महिला उद्यमिता के विकास में कौशल प्रशिक्षण की भूमिका का अध्ययन किया गया है। अध्ययन में मुख्यतः द्वितीयक समकों का उपयोग किया गया है। उपलब्ध साहित्य, शासकीय प्रतिवेदनों तथा कौशल एवं उद्यमिता विकास से संबंधित संस्थागत स्रोतों के आधार पर अध्ययन किया गया है। अध्ययन से स्पष्ट होता है कि कौशल प्रशिक्षण महिलाओं में तकनीकी दक्षता, व्यवसाय प्रबंधन, वित्तीय नियोजन, विपणन, डिजिटल भुगतान तथा बाजार संबंधी निर्णय लेने की क्षमता विकसित करता है। प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाएँ पारंपरिक आर्थिक गतिविधियों को व्यवस्थित उद्यम में परिवर्तित करने में सक्षम होती हैं। रीवा जैसे जिले में स्थानीय संसाधनों एवं बाजार की संभावनाओं के अनुरूप प्रशिक्षण उपलब्ध कराकर महिला उद्यमिता को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। अध्ययन के आधार पर यह निष्कर्ष प्राप्त होता है कि कौशल प्रशिक्षण को वित्तीय सहायता, बाजार सुविधा, डिजिटल तकनीक एवं निरंतर व्यावसायिक मार्गदर्शन से जोड़ना महिला उद्यमिता के स्थायी विकास के लिए आवश्यक है।

मुख्य शब्द: महिला उद्यमिता, कौशल प्रशिक्षण, महिला सशक्तिकरण, स्वरोजगार, उद्यमिता विकास, रीवा जिला।

1. प्रस्तावना

भारत में आर्थिक एवं सामाजिक विकास की प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी निरंतर बढ़ रही है। महिला उद्यमिता महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ परिवार एवं समाज की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उद्यमिता के माध्यम से महिलाएँ स्वरोजगार प्राप्त करने के साथ अन्य व्यक्तियों के लिए भी रोजगार के अवसर उत्पन्न कर सकती हैं। तथापि, पूँजी की कमी, तकनीकी ज्ञान का अभाव, बाजार संबंधी जानकारी, वित्तीय प्रबंधन की सीमित समझ तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण का अभाव महिला उद्यमिता के विकास में प्रमुख बाधाएँ हैं। इन समस्याओं के समाधान में कौशल प्रशिक्षण की महत्वपूर्ण भूमिका है। कौशल प्रशिक्षण महिलाओं को किसी कार्य को व्यावसायिक रूप से करने की दक्षता प्रदान करता है। सिलाई, कढ़ाई, खाद्य प्रसंस्करण, सौंदर्य एवं स्वास्थ्य सेवाएँ, हस्तशिल्प, डिजिटल सेवाएँ, लघु विनिर्माण तथा अन्य स्थानीय आर्थिक गतिविधियों से संबंधित प्रशिक्षण महिलाओं के लिए स्वरोजगार एवं उद्यमिता के अवसर उत्पन्न कर सकता है।



रीवा जिले में ग्रामीण एवं नगरीय दोनों क्षेत्रों में महिला उद्यमिता की पर्याप्त संभावनाएँ विद्यमान हैं। स्थानीय संसाधनों, कृषि आधारित गतिविधियों, हस्तशिल्प, खाद्य प्रसंस्करण तथा सेवा क्षेत्र को कौशल प्रशिक्षण से जोड़कर महिलाओं को व्यवसायिक गतिविधियों में अधिक प्रभावी रूप से सम्मिलित किया जा सकता है। इसलिए महिला उद्यमिता के विकास में कौशल प्रशिक्षण की भूमिका का अध्ययन वाणिज्यिक एवं सामाजिक दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण है।

2. शोध का उद्देश्य

शोध अध्ययन की दिशा एवं सीमा निर्धारित करने के लिए उसके उद्देश्यों का स्पष्ट निर्धारण आवश्यक होता है। निर्धारित उद्देश्यों के आधार पर संबंधित विषय से आवश्यक तथ्यों एवं सूचनाओं का संकलन, विश्लेषण एवं व्याख्या की जाती है। प्रस्तुत अध्ययन का क्षेत्र व्यापक होने के बावजूद इसे निर्धारित उद्देश्यों तक सीमित रखा गया है, ताकि रीवा जिले में महिला उद्यमिता के विकास में कौशल प्रशिक्षण की भूमिका का व्यवस्थित एवं वस्तुनिष्ठ अध्ययन किया जा सके। इसी उद्देश्य से शोध अध्ययन के निम्नलिखित प्रमुख उद्देश्य निर्धारित किए गए हैं –

1. रीवा जिले में महिला उद्यमिता की वर्तमान स्थिति का अध्ययन करना।
2. रीवा जिले में उद्यमिता विकास एवं जागरूकता कार्यक्रमों की स्थिति का अध्ययन करना।
3. महिला उद्यमिता के विकास में कार्यक्रमों की भूमिका का विश्लेषण करना।

उपरोक्त उद्देश्यों को दृष्टिगत रखते हुए शोध पत्र को वास्तविक मानकों के अनुरूप पूर्ण करने का सार्थक प्रयास किया गया है।

3. शोध विधि

प्रस्तुत शोध अध्ययन वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक शोध पद्धति पर आधारित है। अध्ययन में मुख्यतः द्वितीयक समंकों का उपयोग किया गया है। द्वितीयक समंकों के लिए सरकारी विभागों, कौशल विकास एवं उद्यमिता से संबंधित संस्थाओं की वार्षिक रिपोर्ट, प्रकाशित शोध-पत्र, पुस्तकों, शोध-अध्ययनों तथा उपलब्ध आधिकारिक दस्तावेजों का अध्ययन किया गया है। प्राप्त समंकों एवं साहित्य का विषयगत एवं तुलनात्मक विश्लेषण कर महिला उद्यमिता के विकास में कौशल प्रशिक्षण की उपयोगिता का अध्ययन किया गया है।

4. विश्लेषण

महिला उद्यमिता के विकास में कौशल प्रशिक्षण की भूमिका को समझने के लिए उपलब्ध द्वितीयक समंकों का विश्लेषण किया गया है। कौशल प्रशिक्षण महिलाओं को रोजगारपरक दक्षता प्रदान करने के साथ-साथ व्यवसाय स्थापना, प्रबंधन, वित्तीय नियोजन, विपणन एवं आधुनिक तकनीक के उपयोग के लिए सक्षम बनाता है। उद्यमिता विकास एवं जागरूकता कार्यक्रम महिलाओं में उद्यमशील दृष्टिकोण विकसित करने तथा स्वरोजगार के अवसरों का विस्तार करने में सहायक होते हैं। प्रस्तुत अध्ययन में उद्यमिता विकास कार्यक्रमों एवं उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रमों से संबंधित उपलब्ध समंकों को आधार बनाया गया है। इन समंकों के माध्यम से प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रमों की पहुँच तथा उनमें प्रतिभागियों की सहभागिता का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। रीवा जिले के संदर्भ में ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम महिलाओं को स्थानीय संसाधनों एवं बाजार की



आवश्यकताओं के अनुरूप व्यवसाय स्थापित करने में सक्षम बनाने में महत्वपूर्ण हो सकते हैं। अतः कौशल प्रशिक्षण को महिला उद्यमिता एवं आर्थिक आत्मनिर्भरता से जोड़ना आवश्यक है।

तालिका क्रमांक-01

अध्ययन क्षेत्र में उद्यमिता विकास एवं जागरूकता कार्यक्रमों की स्थिति

क्र.	कार्यक्रम का विवरण	कार्यक्रमों की संख्या	प्रतिशत	प्रतिभागियों की संख्या	प्रतिशत
1	उद्यमिता विकास कार्यक्रम	1,073	38.49	26,830	38.49
2	उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम	1,715	61.51	42,895	61.51
कुल योग		2,788	100.00	69,725	100.00

स्रोत : राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान (NIESBUD), वार्षिक प्रतिवेदन 2024-25, कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली, 2024 के द्वितीयक समकों पर आधारित।

प्रस्तुत सारणी से स्पष्ट होता है कि वर्ष 2024-25 में उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रमों की संख्या 1,715 (61.51 प्रतिशत) रही, जो उद्यमिता विकास कार्यक्रमों की संख्या 1,073 (38.49 प्रतिशत) से अधिक है। इसी प्रकार, उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रमों में 42,895 (61.51 प्रतिशत) प्रतिभागियों ने सहभागिता की, जबकि उद्यमिता विकास कार्यक्रमों में 26,830 (38.49 प्रतिशत) प्रतिभागी सम्मिलित हुए। इससे स्पष्ट है कि उद्यमिता के प्रति जागरूकता एवं प्रारंभिक जानकारी प्रदान करने वाले कार्यक्रमों का विस्तार अपेक्षाकृत अधिक है। तथापि, महिला उद्यमिता के स्थायी विकास के लिए जागरूकता के साथ व्यावहारिक कौशल, व्यवसाय प्रबंधन, वित्तीय साक्षरता, विपणन एवं डिजिटल तकनीक का प्रशिक्षण भी आवश्यक है। रीवा जिले के संदर्भ में इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों को स्थानीय संसाधनों एवं बाजार की आवश्यकताओं से जोड़कर महिलाओं को स्वरोजगार एवं उद्यम स्थापना के लिए अधिक प्रभावी रूप से तैयार किया जा सकता है।

5. निष्कर्ष

प्रस्तुत अध्ययन से स्पष्ट होता है कि कौशल प्रशिक्षण महिला उद्यमिता के विकास का एक महत्वपूर्ण आधार है। प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाओं में तकनीकी दक्षता के साथ व्यवसाय प्रबंधन, वित्तीय नियोजन, विपणन, डिजिटल तकनीक तथा उद्यम संचालन संबंधी क्षमताओं का विकास होता है। द्वितीयक समकों के विश्लेषण से यह भी स्पष्ट हुआ कि उद्यमिता जागरूकता एवं विकास कार्यक्रमों के माध्यम से बड़ी संख्या में प्रतिभागियों को उद्यमिता संबंधी जानकारी एवं प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। रीवा जिले के संदर्भ में कौशल प्रशिक्षण महिलाओं को स्थानीय संसाधनों एवं बाजार की मांग के अनुरूप लघु एवं सूक्ष्म उद्यम स्थापित करने के लिए सक्षम बना सकता है। अतः महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण को केवल कौशल प्रदान करने तक सीमित न रखते हुए वित्तीय सहायता, बाजार संपर्क, डिजिटल साक्षरता एवं व्यवसायिक मार्गदर्शन से जोड़ना आवश्यक है। निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि कौशल प्रशिक्षण महिलाओं की रोजगार क्षमता, उद्यमशील दक्षता एवं आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ाने में प्रभावी भूमिका निभाता है।



संदर्भ

1. वर्मा, ज्योति, क्या उद्यमिता शैक्षिक कार्यक्रम भारतीय महिलाओं में स्टार्टअप कौशल का विकास करते हैं?, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशियोटेक्नोलॉजी एंड नॉलेज डेवलपमेंट, खंड 14, अंक 1, 2022।
2. सूर्यनारायणन, शीला एवं रामस्वामी, रमा, हथकरघा क्षेत्र में कौशल शिक्षा एवं उद्यमिता विकास के माध्यम से महिला सशक्तिकरण, लघु उद्यम विकास, प्रबंधन एवं विस्तार पत्रिका (एसईडीएमई), खंड 49, अंक 3, 2022।
3. महाजन, आशीष एवं चौधरी, रूपल, सूक्ष्म सेवा उद्यमों में भारतीय महिला उद्यमियों की उद्यमशील दक्षताएँ, एएमसी भारतीय उद्यमिता पत्रिका, खंड 5, अंक 2, पृष्ठ 30–48, 2022।
4. सामी, सानिया एवं रॉयचौधरी, सोमा, महिला उद्यमिता प्रशिक्षण एवं कौशल विकास कार्यक्रमों की प्रभावशीलता का गहन विश्लेषण, जीबीएस इम्पैक्ट : बहुविषयक अनुसंधान पत्रिका, खंड 9, अंक 2, पृष्ठ 8–25, 2023।
5. टुपे, नवनाथ, महाराष्ट्र में महिलाओं के उद्यमशील कौशल के विकास हेतु मिश्रित अधिगम कार्यक्रम की प्रभावशीलता का अध्ययन, शिक्षा पत्रिका, 2021।
6. कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय, वार्षिक प्रतिवेदन 2024–25, भारत सरकार, नई दिल्ली, 2025।
7. सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, वार्षिक प्रतिवेदन 2024–25, भारत सरकार, नई दिल्ली, 2025।
8. सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत में महिलाएँ एवं पुरुष 2024 : चयनित संकेतक एवं आँकड़े, भारत सरकार, नई दिल्ली, 2025।
9. राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान (NIESBUD), वार्षिक प्रतिवेदन 2024–25, कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली, 2025।
10. नीति आयोग, महिला उद्यमिता मंच एवं महिला उद्यमिता से संबंधित अध्ययन प्रतिवेदन, भारत सरकार, नई दिल्ली, 2025।

